☎ STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालन को मिली मंजूरी

सत्र 2021-22 से में होगी पढ़ाई, ऑनलाइन प्रवेश शुरू

चेतना समाचार सेवा

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवा विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में

डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोया सहित आस-पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, आिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

जन एक्सप्रेस, लखनऊ

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 09

अ.वि.वि. में डी.फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

विश्वविद्यालय में सत्र 2021-22 से होगी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई

जनएक्सप्रेस संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्र मों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्र मों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रि या जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्र म संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्र म की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्र म की शुरूआत

की है। इसी क्र म में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्र म को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्र म संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्र म कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस-पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्र म को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्र म को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल आफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्र मों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रि या शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्र म के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांक: 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्या: 01

अवध विवि में डीफार्मा और बीफार्मा कोर्स को मंजूरी

विश्वविद्यालय ने शुरू की प्रवेश प्रक्रिया, वेबसाइट पर लोड किए गए आवेदन के प्रारूप

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से डीफार्मा एवं बीफार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है।

ये दोनों पाठ्यक्रम अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता में रहे हैं। उन्होंने इसके लिए वर्ष 2020 में ही तैयारी शुरू कर दी थी। अब अयोध्या सहित आसपास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डीफार्मा एवं बीफार्मा की पढ़ाई कर सकेंगे। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो. शैलेंद्र कुमार को बनाया। बीफार्मा का समन्वयक डॉ. अनिल कुमार एवं डीफार्मा का डॉ. सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्या परिषद एवं कार्य परिषद से अनुमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से डीफार्मा एवं बीफार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

विश्वविद्यालय में सत्र 2021–22 से होगी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई

डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन जारी

ब्यूरो रिपोर्ट अखंड प्रताप सिंह

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021–22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60–60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है।

अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई

रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस–पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

कुटुंब जागरण, अयोध्या

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

विश्वविद्यालय में सत्र 2021-22 से होगी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फामेर्सी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम

डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन जारी

को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फामेर्सी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस-पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुवेर्दी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फामेर्सी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

डहेलिया टाइम्स, सीतापुर

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

– विश्वविद्यालय में सत्र 2021–22 से होगी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई

– डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन जारी

डहेलिया टाइम्स ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021–22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60–60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस–पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

नैतिक आवाज, लखनऊ

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

नैतिक आवाज ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल आफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है।

अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली।

ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस-पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया।

बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल आफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

अवधनामा, लखनऊ

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 08

अयोध्या, सोनभद्र

अविवि में डीफार्मा एवं बीफार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल आफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है।

इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस-पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया।

बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था।

वॉयस ऑफ मूवमेंट, लखनऊ

दिनांक: 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्या: 02

अविवि में डीफार्मा एवं बीफार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

जिला संवाददाता

अयोध्या। डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल आफ इण्डिया से डीफार्मा एवं बीफार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डीफार्मा एवं बीफार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डीफार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डीफार्मा एवं बीफार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस-पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डीफार्मा एवं बीफार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बीफार्मा का समन्वयक डॉ अनिल कुमार एवं डीफार्मा का डॉ सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल आफ इण्डिया से डीफार्मा एवं बीफार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है।

जनसंदेश टाइम्स , लखनऊ

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 07

अविवि में डी.फार्मा एवं बी.फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फामेर्सी काउंसिल आफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फामेर्सी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस-पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फामेर्सी काउंसिल आफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय में सत्र 2021-22 से होगी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई

सहजसत्ता, प्रयागराज

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 06

जनपद

पूर्व सभासद रेखा श्रीवास्तव समेत कई महिलायें सपा में हुई शामिल

जौनपुर। समाजवादी पार्टी समाजवादी पार्टी की सदस्यता की सदस्यता ग्रहण किया। जि है, उनके मान सम्मान में कोई उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल, म निषाद, अलमास सिद्दीकी, शेख

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

अयोध्या(ब्यूरो)। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस-पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल आफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया

भारत कनेक्ट, लखनऊ

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 07

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

विश्वविद्यालय में सत्र 2021-22 से होगी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई

भारत कनेक्ट संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फामेर्सी काउंसिल आफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में

शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फामेर्सी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस-पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुवेर्दी ने बताया कि विवि को फामेर्सी काउंसिल आफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 08

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

सत्र 2021–22 से होगी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई, डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन जारी

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021–22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60–60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया।

अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस–पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

पावन भारत टाइम्स, अयोध्या

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021–22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60–60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस–पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

निष्पक्ष पूर्वाच्चल दर्पण, आजमगढ़

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

संवाददाता

◆ विश्वविद्यालय में सत्र 2021–22 से होगी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफइण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021-22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस-पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफफार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल आफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया

मोहनधारा, अमेठी

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 12

मोहन धारा "हिन्दी दैनिक" अमेठी, बुधवार, 14 जुलाई 2021

प्रादेशिक

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

विश्वविद्यालय में सत्र 2021-22 से होगी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन जारी

मोहन धारा संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021–22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60–60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी।

प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस–पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

तरूणमित्र, अयोध्या

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 08

अविवि में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मिली मंजूरी

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021–22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60–60 सीटों पर

आगामी सत्र से शुरू होगी पढ़ाई

प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी0फार्मा एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को

व्यापारियों से सहमति

पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस–पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की। इसका प्रभारी निदेशक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार को बनाया। बी0फार्मा का समन्वयक डॉ0 अनिल कुमार एवं डी0फार्मा का डॉ0 सिंधु सिंह को बनाया है। इसके उपरांत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के लिए विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनमोदन भी करा लिया गया था। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया से डी0फार्मा एवं बी0फार्मा संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

पायनियर, अयोध्या

दिनांकः 14 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

अविवि में डी. फार्मा व बी. फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफइण्डिया से डी. फार्मा एवं बी. फार्मा संचालित किए जाने की मंजूरी मिली। परिसर में सत्र 2021.22 से दोनों पाठ्यक्रमों में 60.60 सीटों पर प्रवेश होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर आवेदन कर सकते है। अविवि के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह के अथक प्रयास से परिसर में डी0फार्मा एवं बी. फार्मा पाठ्यक्रम संचालित किए जाने का रास्ता साफ हो गया। अब परिसर से विद्यार्थी डी. फार्मा एवं बी. फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकेगें। विदित हो कि विश्वविद्यालय में शैक्षिक गति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो. सिंह ने परिसर में कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसी क्रम में डी. फार्मा एवं बी. फार्मा पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने के लिए वर्ष 2020 में तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश शासन एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया की औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की अनुमति मिली। ये पाठ्यक्रम कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह की पहली प्राथमिकता रही है। अयोध्या सहित आस.पास के विद्यार्थी विश्वविद्यालय से डी. फार्मा एवं बी. फार्मा की पढ़ाई कर सकेगें। पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलपति ने परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइसेंज की स्थापना की।